Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road,Near Gandhi Smiriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450, India. Phone: 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

ॐ

|| Whole World is a Family ||

14-5-2015
गुरुवार
5 am.

श्रद्धा और सबुरी

सभी पुण्यआत्माओ को मेरा नमस्कार - - -

वर्तमान मे मेरी स्थिती यह है। की जिवन मे पाने के लिये कुछ "बचा" ही नही है। अब तो सारा जिवन यही प्रयास कर रहा हु। की कब यही स्थिती आपको प्राप्त हो और यही कारण है की अब आप सभी को चित्त मे रख कर ही सुबह का ध्यान करता हु। ताकी आपका ध्यान क्यो नही होता और ध्यान मे आपको क्या "दिक्कतो" का सामना करना पडता है, वही जानने का प्रयास करते रहता हु। आज सुबह ध्यान मे जो जाना वही "अनुभव" आपको बता रहा हु। आपकी आपके सदगुरु पर "श्रद्धा" नही है, और अगर श्रद्धा न हो तो "विश्वास" निर्माण नही होता है, श्रद्धा कभी भी शरीर से नही होती है, शरीर से निर्माण श्रद्धा "अंध-श्रद्धा" कहलाती है।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road,Near Gandhi Smiriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450, India. Phone: 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

आपकी श्रद्धा शरीर से है, जब की श्रद्धा आत्मा का शुद्ध भाव है, लेकीन जब तक आप आत्मा के स्तर तक नहीं जाते यह श्रद्धा निर्माण नहीं हो सकती है और जब तक "श्रद्धा" निर्माण नही होगी विश्वास भी निर्माण नही होगा और विश्वास निर्माण नही होगा शंका, कुशंका, आशंका, मन मे आती ही रहेगी, अभी हाल ही मे "दिल्ली" मे सांसदो के लिये महाशिबीर का आयोजन हुआ था और इस के लीये मैं दिल्ली गया था। दोपहर को 12 बजे भुकंप के झटके आये निचे से सुरक्षाकर्मी साधक दौडकर उपर आये और उन्होने कहा सारी बिल्डींग खाली हो गयी है, आप भी निचे चलो मैंने हंसते हुये कहा "आप जाओ मैं नही जाऊंगाँ यहाँ बिल्डींग मे तो छोडो दिल्ली मे भी कुछ नही होगा मन मे कहा (सदगुरु ने मुझे दिल्ली मे मरने के लिये नही भेजा है, दुसरे न मरे

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road,Near Gandhi Smiriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450, India. Phone: 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

इसके लिये भेजा है. मै एकदम शान्त था घर मे भी सब शांन्ती ही थी सौ. रमानी शांन्ती से खाना बना रही थी श्री रमानी उसे मदत कर रहे थे. सौ. गुरुमॉ अपने कमरे मे कुछ लिख रही थी, किसी के उपर भी भुकंप के धक्कों का असर नही था न डर था न आंशका, थी क्योंकी मुझे मेरे गुरुदेव पर संपुर्ण विश्वास था और इनका मेरे उपर संपुर्ण विश्वास था, यह विश्वास निर्माण हुआ आत्मा की "इच्छा" से वह आत्मा की इच्छा निर्माण होने के लिये आत्मा बनना होगा, और आत्मा तब बनोगे जब जिवन मे "अपेक्षा" नही होगी यह अपेक्षा हमे शरीर के स्तर पर लाती है. हमने सद्गुरु को निस्वार्थ प्रेम करना चाहिये इतना की श्री कृष्ण की कालीमुर्ती भी पांडुरंग याने सफेद रंग का दिखने लगा जाये अरे बाबा आप तक अगर हिमालय से चैतन्य की धारा पहुचेगी तो

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road,Near Gandhi Smiriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450, India. Phone: 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org
|| Whole World is a Family ||

वह किसी न किसी पाईप से ही पहुचेगी। और पाईप आया। तो "रूप" भी आया "आकार" भी आया और आकार आया। तो आकार के "दोष" भी आये पाईप लोहे का होगा। तो "जंग" लगेगा, कपडे का होगा तो फटेगा वैसे ही "चैतन्य" का आवरण "शरीर" है। उस शरीर के हावभाव उस शरीर के शब्द उसका दिखना भी "धोका" है, "सावधान" हो जाओ उस सदगुरु के शरीर से बहने वाले चैतन्य पर चित्त रखो और जब चैतन्य पर चित्त रखोगे तो जानोगे की शरीर तो "धोका" था "छाया" थी। हम उसी को पकड कर बैठे थे। वास्तव मे कोई "शरीर" ही नही था तो "आकार", शब्द प्रवचन, शरीर के हावभाव, कपडे, आकार कैसे हो सकता है. परमात्मा निराकार है. वह केवल चित्त को शुद्ध कर के अनुभव कीया जा सकता है, शरीर नाशवान है, चैतन्य प्रवाह है. कल भी था आज भी है. और

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450, India. Phone: 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org
|| Whole World is a Family ||

कल भी रहेगा, यह बात जितने जल्दी समझो उतना अच्छा है, "रुप" से "स्वरुप" तक की यात्रा करो लेकीन उसके लिये "चित्त" का शुद्ध होना आवश्यक है।

उस रुप के पिछे के स्वरुप को जानो तो श्रद्धा स्वंयम ही निर्माण हो जायेगी और विश्वास भी आ जायेगा फिर मन मे शंका आंशका, कुशंका को कोई जगह नही रहेगी।

अब बात रही "सबुरी" की तो मैंने जाना की आप ध्यान मे से उठते हो वह ध्यान मे बैठने के पहले २० मीनीट मे ही पहले २० मीनीट मे आप शरीर के स्तर पर ही होते हो आप का शरिर ही आप का विरोध करता है, जैसे खुजली होना, मन मे विचार आना इन सब शरीर के विरोध केवल ध्यान के पहले २० मीनीट मे ही होते है। अगर इन २० मीनीटो को आपने सहन कर लीया तो २० मीनीट के बाद आप देखोगे

Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smiriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450, India. Phone: 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

की शरीर का सारा विरोध ही समाप्त हो जायेगा, और आपका ध्यान लग जायेगा आपको केवल ध्यान के इन २० मीनीटो तक सबुरी रखने की आवश्यकता है.

वास्तव मे ध्यान लग जाने के बाद ध्यान मे से उठने की ही "इच्छा" नही होती है, आज मेरा ऐसा ही ध्यान लगा था लेकीन जो जाना वह आपको बताने के लिये उठा और उठते ही यह "संदेश" लिख दिया अब आपको क्या करना है. वह आप ही जानो बताने को मुझे गुरुदेव ने कहा मैने बता दिया यह "सन्देश" से आप को ध्यान करने की प्रेरणा मीले बस गुरुदेव से यही प्रार्थना है, आप सभी को खुब खुब आशीर्वाद

आपका
बाबास्वामी
14/5/2015 (गुरुवार)